प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – सामान्य हिन्दी

कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए $1 \times 5 \times 5 = 25$ अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक में प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक में प्रत्येक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 21 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. सूर .....भक्तिधारा के प्रमुख कवि थे।
   (सगुण/निर्गुण)
2. कविवर रहीम ने.....से बचने का परामर्श दिया है।
   (कुसंगति/सुसंगति)
3. गांव के लोग सिरचन को.....समझते है।
   (कामचोर/कामकाजी)

4. रीवन्द्रनाथ टैगोर.....पर एक पुस्तक पढ़ रहे थे।

(सौन्दर्यशास्त्र / तर्कशास्त्र)

5. विद्यालय शब्द.....संधि का उदाहरण है।

(स्वर / व्यंजन)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) सरजा कहा गया है –

(अ) शिवाजी को (ब) छत्रसाल को

(स) शत्रुओं को (द) हाथी को

(2) ''जागो फिर एक बार'' कविता के आंदोलन की पृष्ठभूमि पर सृजित है –

(अ) सामाजिक समता प्राप्ति (ब) स्वतंत्रता मुक्ति

(स) आर्थिक मुक्ति (द) अंग्रेज भगाओं

(3) पश्चिम उपासक है –

(अ) शरीर बल का (ब) आत्म बल का

(स) सैन्य बल का (द) धन बल का

(4) पीताम्बर शब्द में समास है –

(अ) अव्ययी भाव (ब) बहुब्रीहि

(स) कर्मधारय (द) द्विगु

(5) अतिरिक्त शब्द में उपसर्ग है –

(अ) अ (ब) क्त

(स) अति (द) इत

प्रश्न 3. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	छायावाद	–	विपिन
(2)	उदय शंकर भट्ट	–	कम है जिसकी बुद्धि

(3)	बाबू गुलाब राय	–	प्रकृति चित्रण
(4)	अल्पबुद्धि	–	एकांकीकार
(5)	जंगल का पर्यायवाची	–	नर से नारायण

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों से सत्य/असत्य छांटकर लिखिए –

1. ''हम कहां जा रहे है'' कविता की कवयित्री सुदर्शन प्रियदर्शनी है।
2. बल में पुरूषत्व का निवास होता है।
3. देश में प्रजा के राज को राजतंत्र कहते है।
4. ''मोहन घर पर नहीं था'' निषेधात्मक वाक्य है।
5. पर्याय का अर्थ उल्टा होता है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. हंस–हंसिनी किस संबंध में बात कर रहे थे?
2. यशोधरा ने किसको वसंत कहा है?
3. गांधीजी ने पत्र किसे लिखा था?
4. हिमालय पर्वत से कौन सी पवित्र नदी निकली है?
5. ''धरती–आकाश'' किस समास का उदाहरण है?

प्रश्न 6. ''उल्टे बांस बरेली'' को कवि ने किस संदर्भ में कहा है?

अथवा

माँ के व्यक्तित्व की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 7. विश्व वेदना की चमक किसे और क्यों होती है?

अथवा

हिमालय की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 8. शिशु के छिनने पर मेषमाता और सिंहनी के व्यवहार में क्या अंतर है?

अथवा

कुशलता की कामना कब निष्फल हो जाती है?

प्रश्न 9. पुस्तकालय पाठ के आधार पर नालंदा विश्वविद्यालय की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

हंसिनी ने राजकाज प्रजा को सौंपने की क्या योजना बनाई?

प्रश्न 10. मीनाक्षी मंदिर की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

नाले में तीनों बच्चे क्यों बह गए?

प्रश्न 11. अतीत में शिक्षा के क्षेत्र में भारत को बहुत उन्नत क्यों कहा गया है?

अथवा

केरल के गांवों की कौन सी विशेषताएं है? कोई चार लिखिए।

प्रश्न 12. भारतेन्दु युग की दो विशेषताएं लिखिए एवं किन्हीं दो निबंधकारों के नाम भी लिखिए।

अथवा

हिन्दी निबंध साहित्य को कितने युगों में बांटा गया है किन्हीं चार युगों के नाम लिखिए।

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. धूल में मिला देना।
2. नौ दो ग्यारह होना।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

1. रेलगाड़ी जाता है।
2. हम लौटूंगा।
3. मैं कल आगरा से वापस लौटूंगा।

प्रश्न 14. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्द–युग्मों को अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये।

1. बेर–बैर
2. प्रसाद–प्रासाद
3. मूल–मूल्य

(ब) निम्नलिखित में से निर्देशानुसार कोई दो वाक्य परिवर्तित कीजिए।

(1) शीला रोज पढ़ने जाती है।

(आज्ञावाचक वाक्य)

(2) मोहन घर पर है।

(प्रश्नवाचक वाक्य)

(3) बालक रो–रो कर चुप हो गया।

(संयुक्त वाक्य)

प्रश्न 15. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिए।

1. आचरण सज्जनता की कसौटी है।
2. वाणी का भूषण ही भूषण है।

प्रश्न 16. सबल के बल का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भीषण गर्मी के बाद प्रथम वर्षा के सुखद प्रभाव का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 17. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

रहिमन अंसुआ, नैन ठरि, जिय दुख प्रगट करेइ।
जाहि निकारों गेह ते, कस न भेद कहि देई।।

अथवा

आज मैं गइ चरावन जैहों,
वृंदावन के भांति–भांति फल अपने कर में खेहो।
ऐसी बात कहो जनि बारे, देखौ अपनी भांति।।

प्रश्न 18. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

अंहिसा भी सत्य का पुरूक रूप है। अंहिसा का व्यवहार सत्य है अंहिसा में दूसरे के अधिकारों की विशेषकर जीवधारियों की स्वीकृति रहती है। अहिंसा मनसा वाचा कर्मणा तीनों से होती है। अहिंसा के पीछे जियो और जीने दो का सिद्धांत रहता है। जहां अहिंसा का गान नहीं वहां मानवता नहीं। अहिंसा मानव का पर्याय है। मनुष्य को उस जान को लेने का अधिकार नहीं जिसे वह नहीं दे सकता। हिंसा केवल जान लेने में ही नहीं वरन के स्वाभिमान को आघात पहुंचाने में भी होती है।

प्रश्न 1. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. अहिंसा किसका पूरक रूप है?

प्रश्न 3. मानवता का पर्याय क्या है?

प्रश्न 4. अहिंसा किस–किस से होती है?

प्रश्न 19. निम्नांकित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

आजीवन उसका गिने,
सकल अग्नि सिरमौर,
जन्मभूमि जलजात के
बने रहे जन भौर

फलद कल्प तरू तुल्य है
सारे विटप बबूल
हरिपद रज सो पूत है
जन्म धरा की धूल है।

प्रश्न 1. उपयुक्त पद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिए।
प्रश्न 2. जन्मभूमि किस प्रकार फलदायिनी है?
प्रश्न 3. विटप का एक पर्यायवाची लिखिए।
प्रश्न 4. जन्मभूमि की धूल किसकी तरह पावन है?

प्रश्न 20. पिता को पत्र लिखिए जिसमें 300 रूपये पुस्तकों में और अन्य खर्चे के लिए मनीआर्डर द्वारा मंगाइए।

अथवा

विद्यालय में प्राचार्य को एक आवेदन पत्र अपनी शुक्ल मुक्ति के लिए लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. समय का सदुपयोग
2. विज्ञान वरदान या अभिषाप
3. प्रदूषण की समस्या और समाधान
4. परिश्रम ही जीवन है
5. इंटरनेट– आज के जीवन की आवश्यकता।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान –

1. सगुण।
2. कुसंगति।
3. कामचोर।
4. सौन्दर्य शास्त्र।
5. स्वर।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. शिवाजी को
2. स्वतंत्रता प्राप्ति
3. शरीर बल
4. बहुब्रीहि
5. अति

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सही जोडियां –

	क	**–**	**ख**
(1)	छायावाद	–	प्रकृति चित्रण
(2)	उदय शंकर भट्ट	–	एकांकीकार
(3)	बाबू गुलाब राय	–	नर से नारायण

(4) अल्पबुद्धि – कम है जिसकी बुद्धि

(5) जंगल का पर्यायवाची – विपिन

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सत्य/असत्य का चयन–

(1) सत्य।

(2) सत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. हंस–हंसिनी प्रजातंत्र के संबंध में बात कर रहे थे।
2. यशोधरा ने राहुल को वसंत कहा।
3. गांधीजी ने पत्र अपने पुत्र मणिलाल को लिखा था।
4. हिमालय पर्वत से गंगा नदी निकली है।
5. द्वन्द्व समास का उदाहरण है।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. विदेशियों ने हमारी योग साधना, धर्म ओर नीति की वर्षों पूर्व चोरी की थी। आज वे इन्हें और नया नाम देकर हमें सिखलाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सभ्यता और संस्कृति की चोरी करना और नए कलेवर में उन्हें हमें वापस करने के संदर्भ में कवि ने उल्टे बांस बरेली मुहावरे के रूप में प्रयोग किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. मां का व्यक्तित्व विराट है।
2. उसके व्यक्तित्व में धैर्य, तीव्रता और व्यापकता है।
3. मां ममता व वात्सल्य की मूर्ति है।
4. वह कर्त्तव्य मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. विश्व वेदना की कसक सिद्धार्थ को होती थी क्योंकि वे संसार के दुख से दुखी थे। उनके ह्रदय में विश्व वेदना की कसक होती है। इसके लिए ही उन्होंने गृह त्याग किया एवं ज्ञान प्राप्त कर सदुपदेश दिया।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हिमालय की विशेषताएं –

1. हिमालय धरती का ताज है।
2. हिमालय अटल एवं अविचल है।
3. हिमालय बादलों को रोककर वर्षा कराते है।
4. हिमालय पर सूर्योदय व सूर्यास्त का प्राकृतिक सौंदर्य एक समान होता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. सिहनी शक्तिशाली होती है और मेषमाता दुर्बल होती है। सिंहनी के बच्चे को जब कोई छीनने या उठाने का प्रयास करता है तो वह चुप नहीं रहती, बल्कि क्रोधित होकर इतने जोर से दहाड़ती है कि बच्चे को उठाने वाले हाथ अपने आप पीछे हट जाते है जबकि मेषमाता अपने बच्चे को उठाते हुए देखकर भी चुपचाप रहती है। वक कुछ नहीं करती केवल आंसू बहाती रह जाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कुशलता की कामना उस समय निष्फल हो जाती है जब मनुष्य कुसंगति में पड़ जाता है। कुसंगति के कारण मनुष्य की कुशलता में बाधा उत्पन्न होती है। कुसंगत और कुशलता दोनों साथ–साथ नहीं हो सकते।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. नालंदा विश्वविद्यालय में पुस्तकालय का एक विशिष्ट क्षेत्र था। उसे धर्मगंज कहा जाता था इसमें रत्नसागर, रत्नोदधि और रत्नरंजक नामक तीन विशाल पुस्तकालय थे। रत्नसागर नौ मंजिला था।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मंत्री ने देश में एक विचार सभा की स्थापना की। उसमें जनसंख्या के आधार पर जनता को एक प्रतिनिधि चुनकर भेजने को कहा। प्रजा ने अपने तीन सौ प्रतिनिधि चुनकर भेजे। ये सभी देश के जाने माने व्यक्ति थे। विचार सभा ने उन आदमियों में अपना एक मुखिया बनाया। मुखिया ने चार आदमी चुनकर उन्हें सारा राज पाट सौंपा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. मीनाक्षी मंदिर मदुरा में स्थित है यह बड़ा विशाल मंदिर है। यह कई गोपुरम से घिरा हुआ है। गोपुरम ऊंचा गुबंद के समान द्वार है। इस मंदिर में अनेक मूर्तियां पौराणिक गाथाएं अंकित है। मंदिर के प्रत्येक खंभे पर हाथी के ऊपर सवार सिंह, एक हजार खंभे वाला हाल, 63 संतों की प्रतिमा आदि।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नाले में तीनों बच्चे बह गए क्योंकि उस दिन खूब पानी बरसा था। खूब दहाड़कर बादल गरजें थे और कड़क–कड़क कर बिजली चमकी थी। अधिक

पानी बरसने से बच्चों को बचने की कोई गुंजाइश नहीं थी। वे उस पानी में बह गए।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. अतीत में शिक्षा के क्षेत्र में भारत में तक्षशिला नालंदा जैसे महान विश्वविद्यालय थे, जिनमें भारत के अतिरिक्त सुदूर देशों के विद्यार्थी भी भाषा व्याकरण, दर्शन शास्त्र औषधि, विज्ञान, सर्जरी, धनुर्विद्या, एकाउंटस वाणिज्य, भविष्य विज्ञान, संगीत, नृत्य आदि की शिक्षा प्राप्त करते थे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

केरल के गांवो की निम्न विशेषताएं है –

1. गांव में स्वच्छता तथा बिजली की पूर्ण व्याख्या है।
2. कोई भी गांव डाकखाना, दवाखाना और बिना स्कूल के नहीं है।
3. सभी स्कूलों में हिन्दी विषय का अध्ययन कराया जाता है।
4. विवाह में केरल की स्त्रियां उजले परम्परागत वस्त्र पहनती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. भारतेन्दु युग के निबंधों की विशेषताएं निम्नानुसार है :–

1. सामयिक विषयों पर लेखन।
2. समाज सुधार का प्रबल आग्रह।
3. रोचकता और मुक्त हास्य व्यंग्य। बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र, श्री निवास दास, भारतेन्दु हरिशचन्द्र।

(छात्र कोई भी दो विशेषताएं, दो निबंधकार एवं दो रचनाओं का उल्लेख कर सकते है) **(2+2=4 अंक)**

अथवा

हिन्दी निबंध साहित्य को चार युगों में बांटा गया है।

1. भारतेन्दु युग
2. द्विवेदी युग
3. शुक्ल युग
4. शुक्लोत्तर युग

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) मुहावरों का अर्थ :–

1. नष्ट कर देना।
2. भाग जाना।

(ब) वाक्यों का शुद्ध रूप :–

1. रेलगाड़ी जाती है।
2. मैं लौटूंगा।
3. मैं कल आगरा से लौटूंगा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

उत्तर 14. (अ) शब्द युग्मों का अर्थ एवं वाक्य :–

1. बैर–दुश्मनी, बेर–एक फल
2. प्रसाद–कृपा, प्रासाद–महल
3. मूल–जड़, मूल्य–कीमत

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

(ब) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन :–

1. शीला पढ़ने जाओ।
2. क्या मोहन घर पर है?
3. बालक रोता रहा और चुप हो गया।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

उत्तर 15. भाव पल्लवन –

1. जिसका आचरण अच्छा रहता है। वह सज्जन पुरूष होता है। क्योंकि आचरण द्वारा ही मनुष्य की परख होती है।
2. वाणी का भूषण ही भूषण है। वाणी द्वारा ही मनुष्य की पहचान होती है। हमें हमेशा शब्दों को सोच समझकर ही बोलना चाहिए।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

उत्तर 16. शक्तिशाली सशक्त व्यक्ति यदि बल का सदुपयोग करें तो सफलता उसके कदम चूमती है। उससे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है। राम और कृष्ण इसके उदाहरण है। उन्होंने बल का सदुपयोग किया था। इसलिए उनकी जयंती बनाई जाती है। रावण और कंस दोनों ने बल का दुरूपयोग किया था। यही कारण है कि स्मरण मात्र से मन में घृणा उत्पन्न हो जाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भीषण गर्मी के बाद प्रथम वर्षा की बूंदों से मनुष्य का मन प्रसन्न हो जाता है। वहां मन वर्षा की छोटी–छोटी बूंदों के सुख देने वाले शीतल स्पर्श से पुलकित हो जाता है। सड़के धुलकर साफ सुथरी और चिकनी हो जाती है। चारों और प्रकृति की छटा दर्शनीय हो जाती है। खेतों में हरियाली छा जाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– रहिमन विलास– रहीम

प्रसंग :–

व्याख्या :– रहीम जी कहते है कि आंसुओं के द्वारा मन की व्यथा व्यक्त हो जाती है। इसलिए घर की बाते घर में रखना चाहिए।

विशेष :– दोहा छंद, अवधी भाषा।

(1+1+3=5 अंक)

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– सूर के बालकृष्ण–सूरदास

प्रसंगः–

व्याख्याः– श्रीकृष्ण भगवान माता यशोदा से वन में जाने की जिद करते हुए कहते है कि मैं वन में जाकर भांति–भांति के फल तोड़ कर खाना चाहता हूँ। मैं वन जाना चाहता हूँ।

विशेष :– ब्रज भाषा, अनुप्रास अलंकार।

(1+1+3=5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. अहिंसा।

उत्तर 2. अहिंसा सत्य का पूरक है।

उत्तर 3. जीओ और जीने दो।

उत्तर 4. अहिंसा मनसा, वाचा, कर्मणा तीनों से होती है।

(1+1+1+2=5 अंक)

उत्तर 19. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. जन्मभूमि

उत्तर 2. जन्मभूमि कल्पतरू की तरह फलदायी है।

उत्तर 3. जन्मभूमि कमल की तरह है।

उत्तर 4. वृक्ष, तरू, पेड।

उत्तर 5. जन्मभूमि की धूल ईश्वर के चरनों जैसी है।

(1+1+1+2=5 अंक)

उत्तर 20.

प्रति,

श्रीमान प्राचार्य महोदय,
चौ.फा.हा.से. स्कूल,
भोपाल

विषयः– शुल्क मुक्ति के लिये आवेदन पत्र।

महोदय जी,

सेवा में सविनय निवेदन है कि प्रार्थी कक्षा 9वीं ब का नियमित छात्र है। इस वर्ष मैंने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा 9वीं परीक्षा पास की है। मैंने सभी विषयों में विशेष योग्यता प्राप्त की है।

मैं निर्धन छात्र हूॅ। पिताजी शासकीय सेवा से निवृत्त हो चुके है। परिवार में आय का साधन नहीं है। पूरा परिवार पिताजी की पेंशन पर ही निर्भर है। अतः मुझे विद्यालय के शुल्क से मुक्त करने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

सुरेन्द्र कुमार जै

(1+3+2 = 5 अंक)

अथवा

पूजनीय पिताजी

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहां सकुशल हूॅ। आशा करता हूॅ कि आप सब लोक सकुशल होंगे। आपके निर्देशों का मैं पूरी तरह पालन कर रहा हूॅ। मेरा ध्यान ठीक चल रहा

है। मेरी छः माही परीक्षाएं 15–12–11 से हो रही है। मुझे कुछ पुस्तके और स्टेशनरी आदि खरीदनी है। पढ़ाई के लिए मैं एक छोटा टेबिल लैंप भी लेना चाहता हूँ। इन सबके लिए लगभग 300 रूपये की आवश्यकता पड़ेगी। अतः कृपया उक्त धनराशि यथाशीघ्र मनीआर्डर द्वारा भेजने का कृष्ट करें।

शेष कुशल।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

रमण

(1+3+2 = 5 अंक)

उत्तर 20. निबंध–

इंटरनेट–आज के जीवन की आवश्यकता

प्रस्तावना :– कम्प्यूटर एक यांत्रिक मस्तिष्क का रूपात्मक योग है तथा इंटरनेट कम्प्यूटर का एक अंग है। समाज में आज कोई भी इससे अछूता नहीं है। आज छात्र इन्टरेनेट का उपयोग कर वांछित जानकारी प्राप्त कर अपना ज्ञानवर्द्धन कर रहे हैं। आज इसकी उपयोगिता दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक क्षेत्रों में जैसे– बैंक, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा एवं दूरसंचार के साधनों आदि में भी इसका प्रयोग कुशलता से किया जा रहा है।

इन्टरनेट का इतिहास :– इंटरनेट एवं आधुनिक कम्प्यूटर नेटवर्किंग टेक्नोलॉजी का प्रारंभ 1970 के दशक में हुआ। सन् 1969 में अमेरिका के रक्षा विभाग की संस्था ''डिफेन्स एडवांसड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी'' ने सबसे पहला वाईड एरिया नेटवर्क बनाया। जिसका नाम था–ARPANET. प्रारंभ में इसके द्वारा अमेरिका के रक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों को जोड़ा गया बाद में विश्वविद्यालयों तथा NATO देशों को जोड़ा गया। आज हम जिस इन्टरनेट का उपयोग कर रहे है वह इसी का पूर्ण विकसित रूप है।

इंटरनेट क्या है?– जिसका उपयोग आज सर्वाधिक हो रहा है वास्तव में उसकी जानकारी होनी आवश्यक है। सरल शब्दों में कहा जाए तो इन्टरनेट संसार में फैले कम्प्यूटरों का नेटवर्क है जिसके माध्यम से संसार की प्रत्येक जानकारी को पलभर में प्राप्त किया जा सकता है। इंटरनेट न कोई साफ्टवेयर है न कोई प्रोग्राम वरन यह ऐसी युक्ति है जहां विभिन्न जानकारियां एक उपकरण के माध्यम से मिल जाती है। इसके माध्यम से मिलने वाली जानकारी में संसार के व्यक्तियों तथा संगठनों का सहयोग रहता है।

इंटरनेट का प्रयोग :– आज इंटरनेट का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है। कुछ प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार है :–

1. **शिक्षा के क्षेत्र में :–** शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न विषयों से सम्बद्ध जानकारी सहज ही प्राप्त की जा सकती है। विषय विशेषज्ञों की राय ली जा सकती है। परीक्षा परिणाम भी आज शीघ्र ही प्राप्त किये जा सकते है।
2. **मनोरंजन के क्षेत्र में :–** मनोरंजन के क्षेत्र में इंटरनेट के द्वारा क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। इसके माध्यम से मनपंसद संगीत का आनंद ले सकते है। नई फिल्मों की जानकारी तथा संगीत के विभिन्न पक्षों की सूक्ष्म जानकारी तथा आनंद लिया जा सकता है। तनावभरे जीवन में इंटरनेट राहत का पल है।
3. **कला के क्षेत्र में :–** आज इंटरनेट के माध्यम से कलाकार बना जा सकता है। इसके लिए जन्मजात कलाकार होना आवश्यक नहीं है। इंटरनेट के द्वारा व्यक्ति स्क्रीन पर चित्र बनाता है और प्रिंटर के माध्यम से बिना रंग और तूलिका का प्रयोग किये बिना सुंदर रंगीन चित्र प्राप्त किया जा सकता है।
4. **पुस्तकों के क्षेत्र में :–** पुस्तकों तथा समाचार पत्रों के प्रकाशन में भी इंटरनेट का अपूर्ण योगदान है। यदि समाचार पत्र समय पर न मिले तब भी पलक झपकते ही किसी भी समाचार पत्र को इंटरनेट पर पढ़ा जा सकता है। देश

ही नहीं विश्व भर के साहित्यकारों की रचनाओं का आनंद इंटरनेट पर प्राप्त होता है। साहित्य में रूचि रखने वाले इंटरनेट के माध्यम से अपनी रचनाओं का प्रकाशन कर सकते है।

5. **वैज्ञानिक क्षेत्र में :–** विज्ञान भी इंटरनेट से जुड़ा हुआ है। अंतरिक्ष तथा अनेक वैज्ञानिक खोजों की सटीक तथा तथ्यपरक जानकारी इंटरनेट प्रदान करता है।
6. **चिकित्सा के क्षेत्र में :–** चिकित्सा संबंधी विभिन्न जानकारियां इंटरनेट से प्राप्त की जा रही है। चिकित्सा सुविधाओं से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट के माध्यम से चिकित्सकों को सुविधा मार्ग दर्शन दिया जा रहा है। आज आम इंसान भी विभिन्न रोगों और उपचार केन्द्रों की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त कर लेता है।
7. **कृषि क्षेत्र में :–** भारत कृषि प्रधान देश है। आधुनिक युग का किसान इंटरनेट के माध्यम से कृषि की उन्नत तथा नयी तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर रहा है। आज किसान घर बैठे ही उन्नत कृषि के गुर सीख रहे है।
8. **बैंकिंग के क्षेत्र में :–** भारतीय बैंकों में खातों के संचालन में इंटरनेट का उपयोग हो रहा है। आम व्यक्ति भी बैंक संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए इंटरनेट का प्रयोग करके समय की बचत कर रहा है।

इन क्षेत्रों के अतिरिक्त डिजाइनिंग, संचार, संगीत आदि में भी इंटरनेट का प्रयोग हो रहा है।

इंटरनेट के लाभ :–

1. समय की बचत होती है।
2. एक स्थान पर बैठकर अनेक स्थानों से संबंधित जानकारी प्राप्त होती है।
3. तथ्यपरक जानकारी प्राप्त होती है।
4. इंटरनेट सरल तथा सुलभ माध्यम है जिससे हम अनेक क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करते है।

इंटरनेट से हानि :–

1. इंटरनेट पर अश्लील वेबसाइट के कारण समाज में नैतिकता का संकट उत्पन्न हो गया है।
2. इंटरनेट का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण मनुष्य स्वविवेक एवं बुद्धि का प्रयोग कम कर रहा है।
3. इंटरनेट के अधिक उपयोग से स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

उपसंहार :– इंटरनेट के अधिकाधिक प्रयोग ने सिद्ध कर दिया है कि यह नव चमत्कार के रूप में मान्य कर लिया गया है। किन्तु यह भी सर्वमान्य तथ्य है कि प्रत्येक वस्तु के श्वेत श्याम पक्ष होते है। सदुपयोग करने वालों के लिए जहां इंटरनेट अनूठी सुविधा की खान है वहीं इंटरनेट का दुरूपयोग करने वालों ने असुविधाओं के श्याम पक्ष को हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि हम इंटरनेट की उपयोगिता पहचानें तथा स्वयं अपनी, समाज की तथा देश की उन्नति के कारक बनें।

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – –